**किराये के संदाय के लिए प्रतिभू के विरुद्ध वाद –**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अति सादर पूर्वक निवेदन करता है –**

1. तारीख ......................... को कखग ने संदेय ......................... रुपये का वार्षिक किराया (मासिक तौर पर) पर वर्षों (भवन सं. ......................... मार्ग) की कालावधि के लिए वादी से किराये पर लिया।
2. प्रतिवादी ने किराया के नियमित संदाय की गारंटी कर देने के लिए कखग को परिसर को पट्टे देने के प्रतिफल में करार पाया।
3. ......................... रुपये को बराबर तारीख ......................... के महीने के लिए किराया का नहीं संदाय किया गया है।
4. उपर्युक्त करार कालावधि द्वारा, अपेक्षित नोटिस की यथापरोक्त देय हो गया किराये के संदाय के लिए प्रतिभू /प्रतिवादी को भी तामील करायी जाती है लेकिन प्रतिभू ने नोटिस का उत्तर देने की भी परवाह नहीं किया है।
5. तारीख ......................... को वादी ने यथा उपरोक्त देय हो गये किराये का भुगतान करने के लिए कखग किरायेदार को भी एक नोटिस दिया लेकिन प्रतिवादी संख्या 2 (देखें उसके पत्र दिनांकित .........................) को यह उत्तर दिया कि उसको कोई किराया संदेय नहीं: यह उत्तर तारीख ......................... को वादी द्वारा प्राप्त किया गया। .
6. प्रतिवादी का दायित्व संयुक्त के साथ पृथक भी है।
7. प्रतिवादी में से किसी ने यथापरोक्त देय हो गये किराये का संदाय नहीं की है।
8. वाद हेतक तारीख ......................... को प्रतिवादी सं. 1 के विरुद्ध इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर उदभूत हुआ जब उसने वादी की मांग की नोटिस प्राप्त किया और तारीख ......................... को प्रतिवादी सं. 2 के विरुद्ध पैदा हुआ जब उसने वादी की मांग नोटिस प्राप्त की और अंतिम रूप से तब जब उन्होंने ने तारीख .........................को वादी द्वारा प्राप्त किये गये एक रजिस्ट्रीकृत पत्र के जरिये वादी को किसी भी वस्तु का संदाय नहीं किया।
9. वाद का मूल्यांकन वाद को दाखिल करने की तारीख तक ..........................% की दर से ब्याज सहित प्रतिवादी सं. 2 के विरुद्ध संदेय हुई बकाया रकम ......................... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष :**

वादी निम्नलिखित अनुतोषों का दावा करता है :

1. .......................... रुपये के एक डिक्री संयुक्त रूप के साथ-साथ प्रतिवादीगण सं. 1 एवम् 2 के विरुद्ध पारित कर दिया जाय।
2. वादकालीन ब्याज संदेय होने वाला बकाया किराया की रकम पर अधिनिर्णीत की जा सकेगी।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी